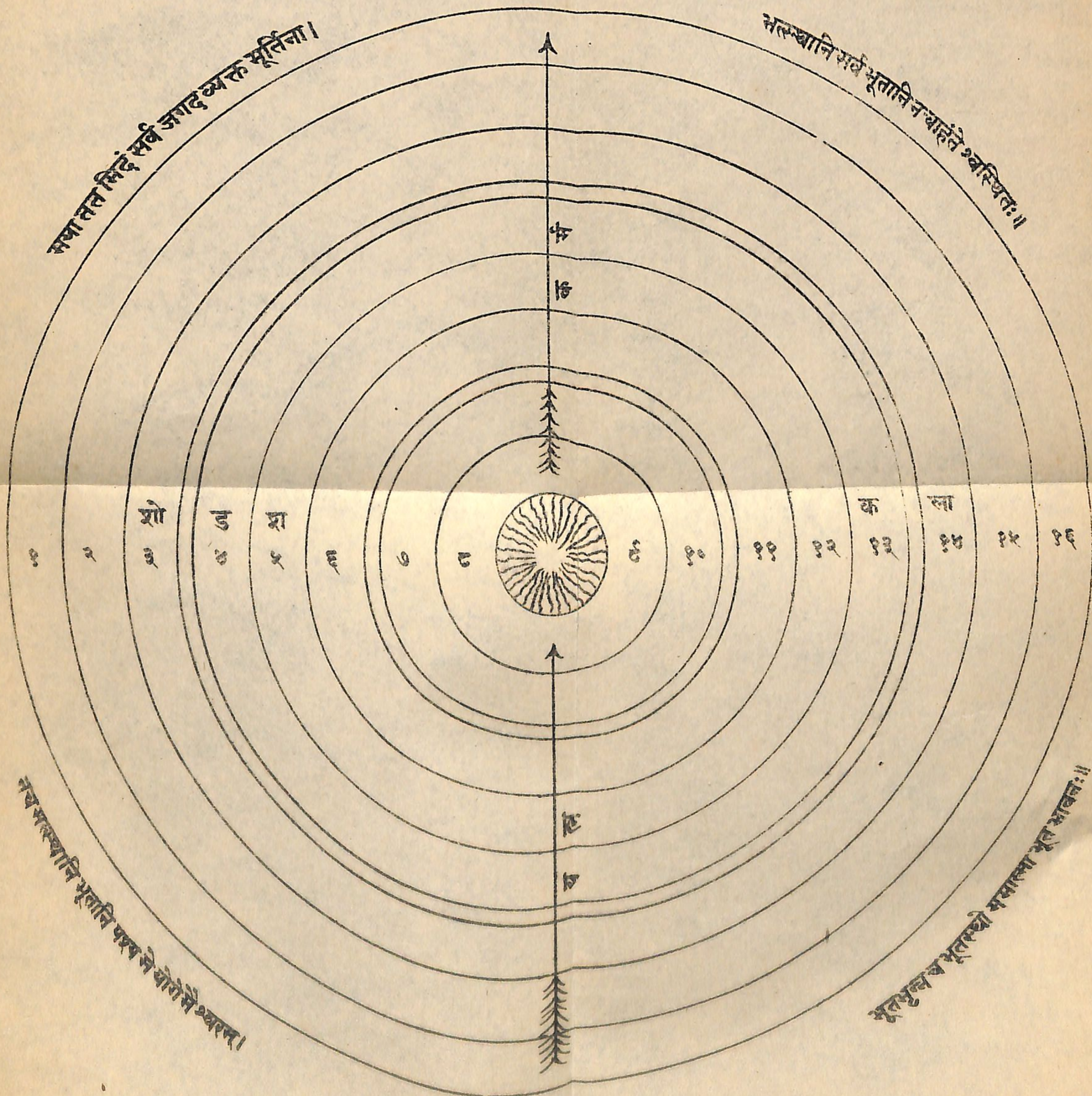
चित्र २

आत्म भाव दर्शनं

ज्ञान लक्ष

अणोऽणीयान

विष्टभ्या हमिदं कृत्स्न मे कांशने स्थितो जगत्

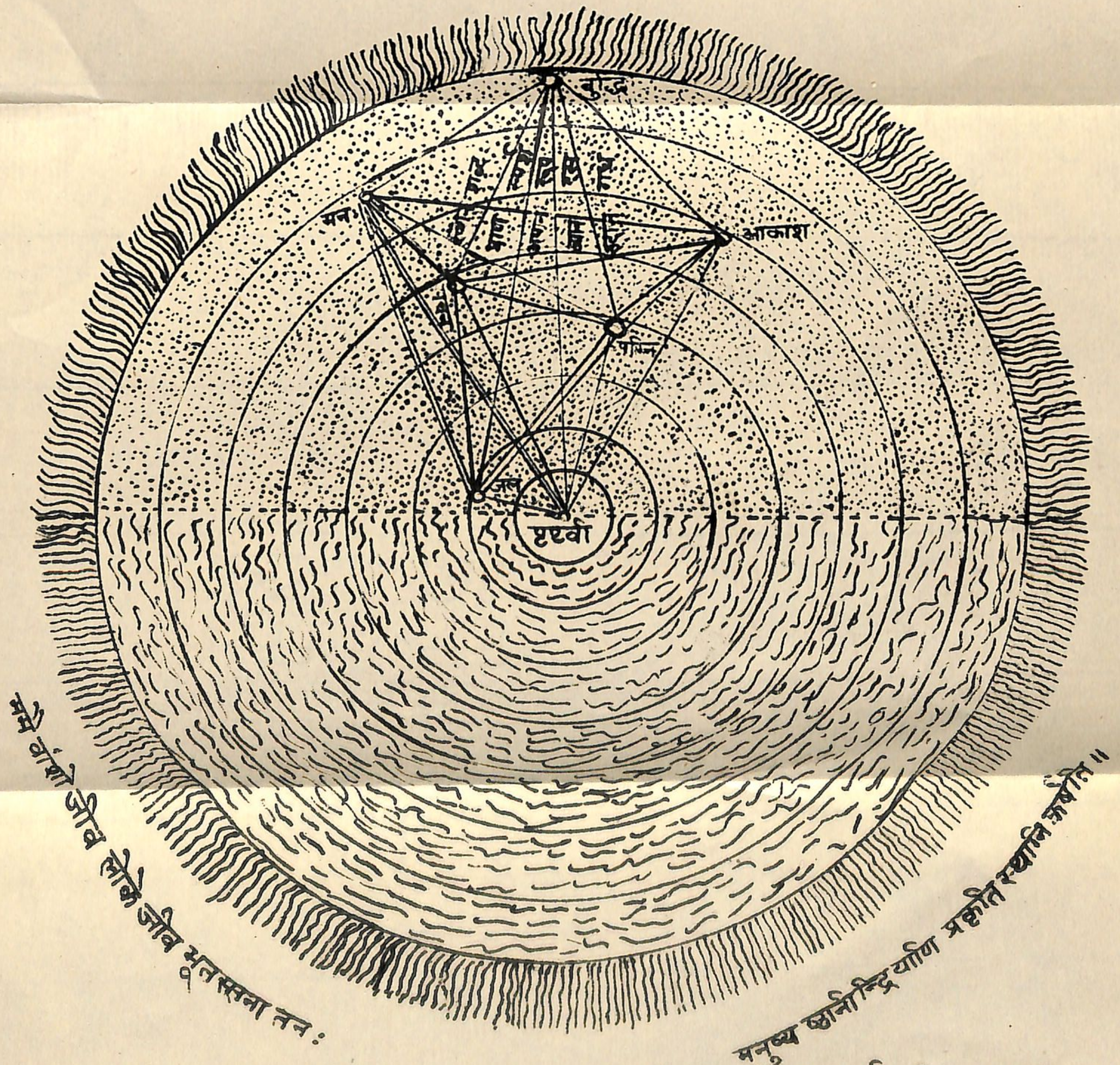


ब्रह्म अन्तर्य दर्शनम्

चित्र नं० ४
تصویر نمبر

हिरण्यगर्भ ।
सूक्ष्म शरीर
तत्

अनुभवानुसार
१ बुद्धि
१ मन
५ तन्मात्रा
५ प्राण
५ महाभुत
१७ तत्व



शरीरं यदवा प्नोति यच्चा प्युत्क्रा मतीश्वर : गृहात्वै तानि संयाति वायुर्गंधा नि वाशयात् ॥

श्रोतं चक्षुःस्पर्शनं च रसनं घ्राण मे वच अधिष्ठाय मनश्चायं विषयानु पसेवते ॥

उत्क्रा मं: स्थितं वापि भुजानं वा गुणान्वितं विमूढाना नु पश्यन्ति पश्यन्ति ज्ञान चक्षुष: ॥

चित्र नं० ४
تصویر نمبر ۴

ब्रह्मविद्या

برہم ودیّا

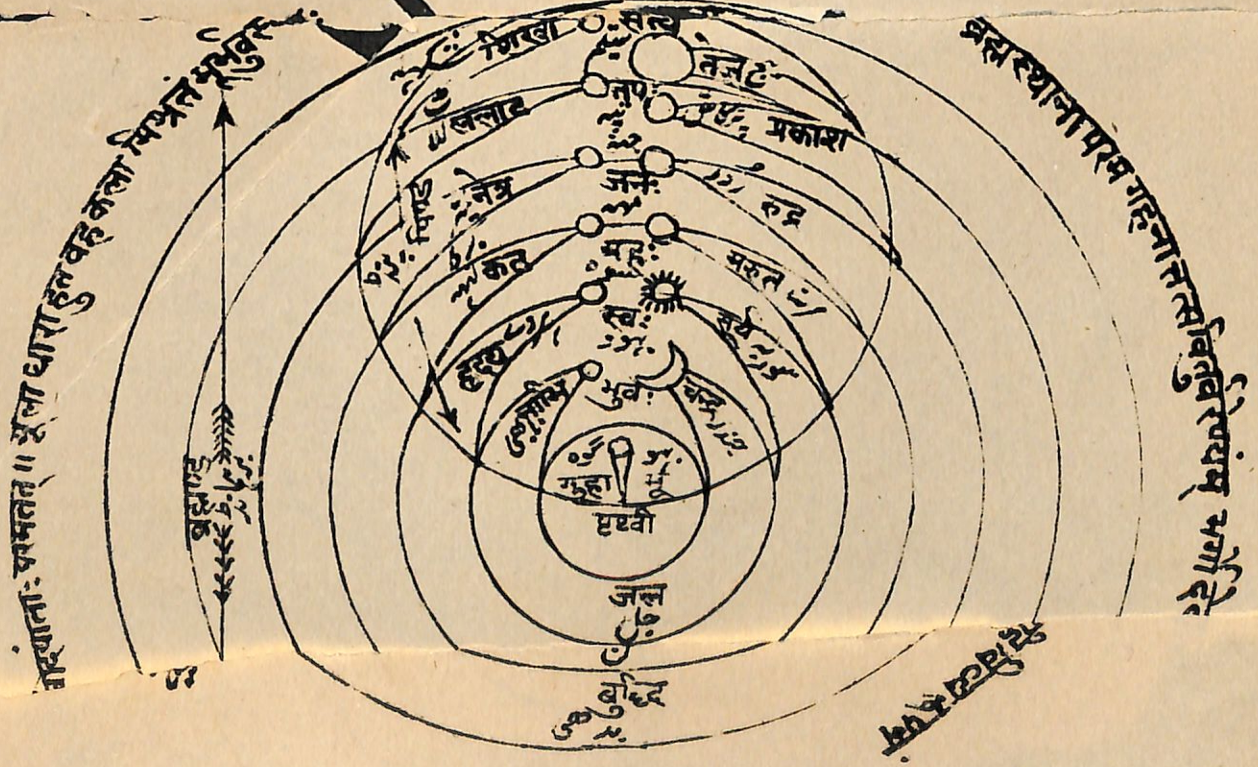
ज्ञानानुसार

साक्षी स्वरूप

ساکشی سروپ

ओं

اوم



मुक्ता विद्रुम हेम नील धवलै छाये मुखै स्त्रीक्षणैः युक्ता मिंदुनिवद्ध रतन मुकटां तत्वात्म वर्णात्म कां ॥



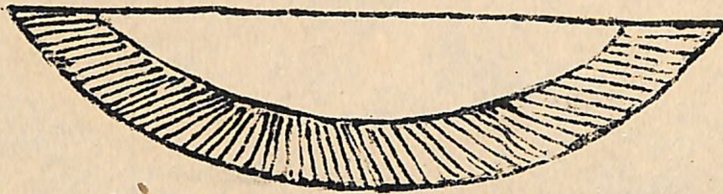
गायत्रींवरदाभयांकुश करां शुभ्रं कपालं गुणम्। शंख चक्र मधार विन्द युगलैर्हस्तैर्वहंती भजे ॥

चित्र नं० २०

تصویر نمبر ۱۰

चन्द्र चक्रम्

چندر چکرم



शुक्लपक्ष شکل پکش

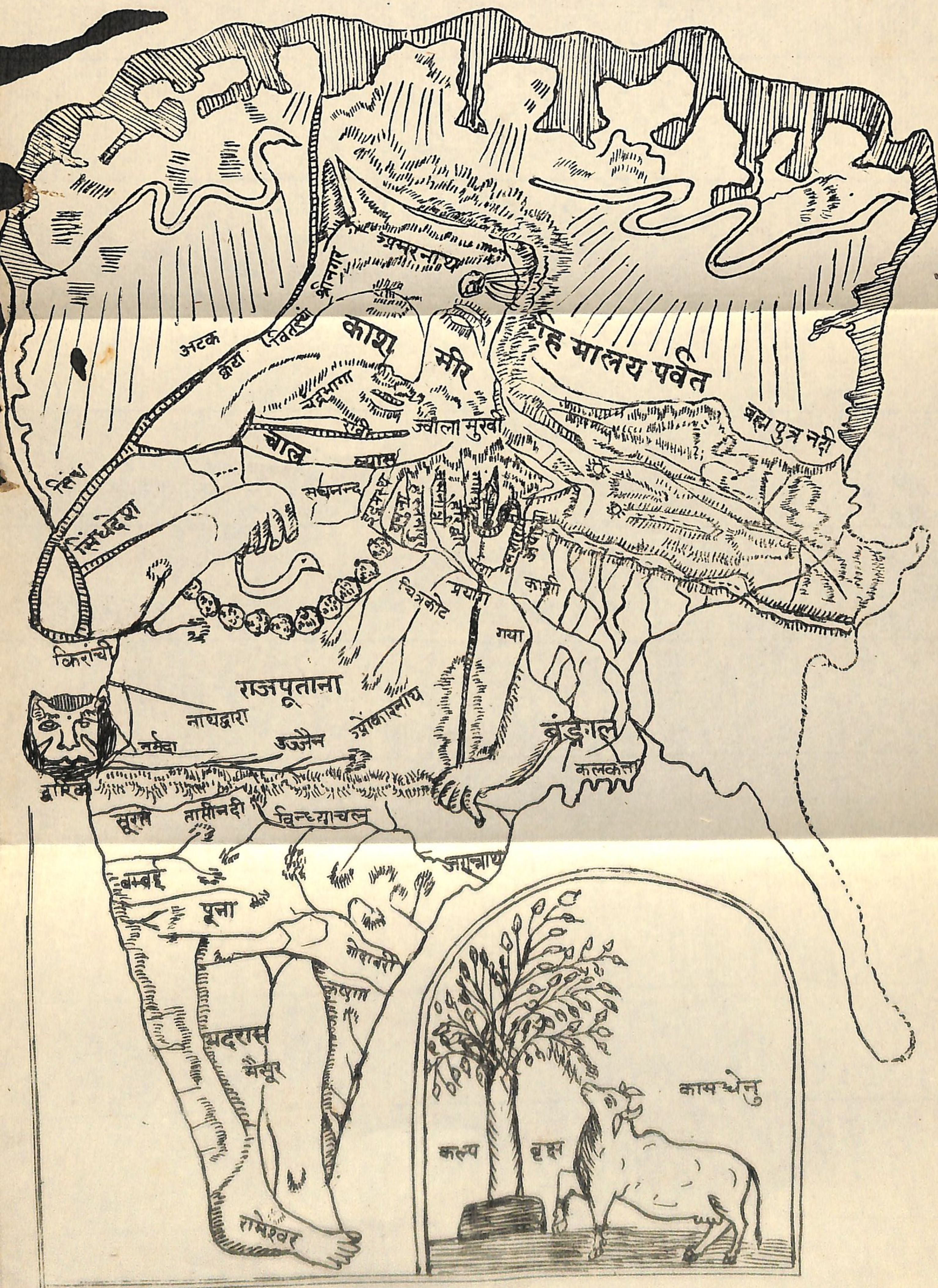
कृष्णपक्ष کرشن پکش

पृथ्वी پرتھوی

प्रथमा द्वितीया तृतीया चतुर्थी पंचमी षष्ठी सप्तमी अष्टमी नवमी दशमी

चतुर्दशी अमाव-स्या

शिव का भारतवर्ष दर्शन।



चित्र नं० १८

३६×३×१० = ३६०×३ = १०८० = १०८×१०

१०×१२ = ३६०

प्रजापति मूर्ति

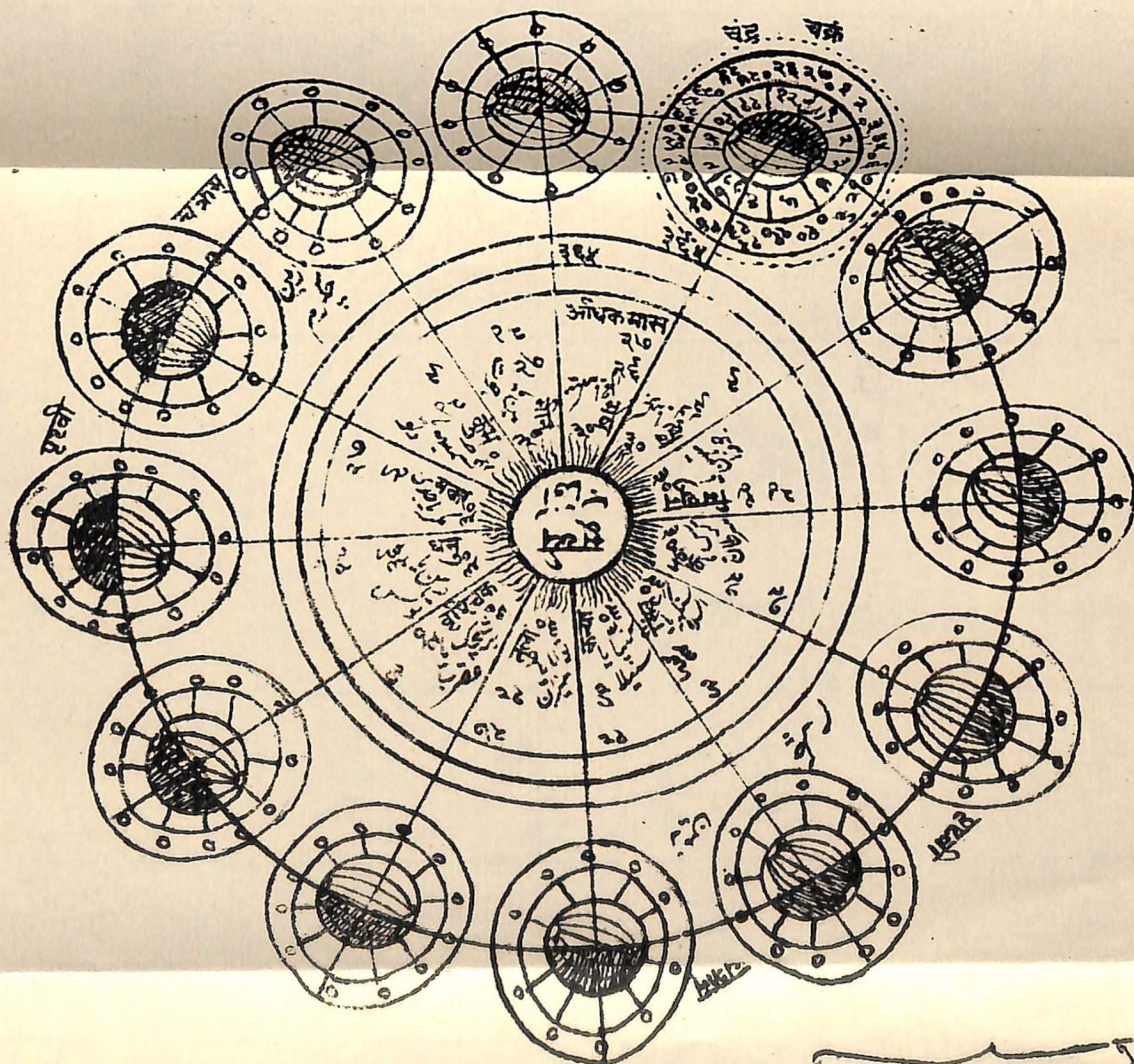
پرجاپتی مورتی

تصویر نمبر ۱۸

चन्द्र संवत्सर प्रमाणम् ३५४ दिन

सूर्य संवत्सर प्रमाण ३६५ दिन / ७२०

अर्द्धभाग ३६०



राशि	नक्षत्र	
१ मेष	१ अश्विनी	اشونی
	२ भरणी	بھرنی
	३ कृत्तिका	کرتکا
२ वृष	४ रोहिणी	روہنی
	५ मृगशिरा	مرگسرا
३ मिथुन	६ आर्द्रा	آردرا
	७ पुनर्वसु	پنرسو
४ कर्क	८ पुष्य	پکھ
	९ श्लेषा	اشلیکھا
५ सिंह	१० मघा	مگھا
	११ पूर्वी फाल्गुनी	پورواپھالگنی
	१२ उत्तरा फाल्गुनी	اتراپھالگنی
६ कन्या	१३ हस्त	ہست
	१४ चित्रा	چترا
७ तुला	१५ स्वांति	سوانت
	१६ विशाखा	وشاکھا
८ वृश्चिक	१७ अनुराधा	انورادھا
	१८ ज्येष्ठा	جیشٹھا
९ धनु	१९ मूल	مول
	२० पूर्वाषाढ़	پورواشاڑھ
	२१ उत्तराषाढ़	اتراشاڑھ
१० मकर	२२ श्रवण	شرون
	२३ धनिष्ठा	دھنشٹھا
११ कुंभ	२४ शतभिषा	شت بکھا
	२५ पूर्वा भाद्रपद	پوروا بھادرپد
१२ मीन	२६ उत्तरा भाद्रपद	اترا بھادرپد
	२७ रेवती	ریوتی

शिशुमार चक्र अथवा खगोल

ششمار چکر یا نظام شمسی

चित्र नं० ३

تصویر نمبر ۳

इदमखिलं ब्रह्म नेह नानास्ति किञ्चन

उत्तरी ध्रुव

اتری دھرو

मयि सर्वमिदं प्रोतं सूत्रे मणिगणा इव ॥

शनि زحل

मंगल مریخ

बृहस्पति مشتری

पृथ्वी زمین

चन्द्र قمر

शुक्र زہرہ

सूर्य سورج

बुध عطارد

रसोऽहमप्सु कौन्तेय प्रभास्मि शशिसूर्ययोः ॥

प्रणवः सर्ववेदेषु शब्दः खे पौरुषं नृषु ॥

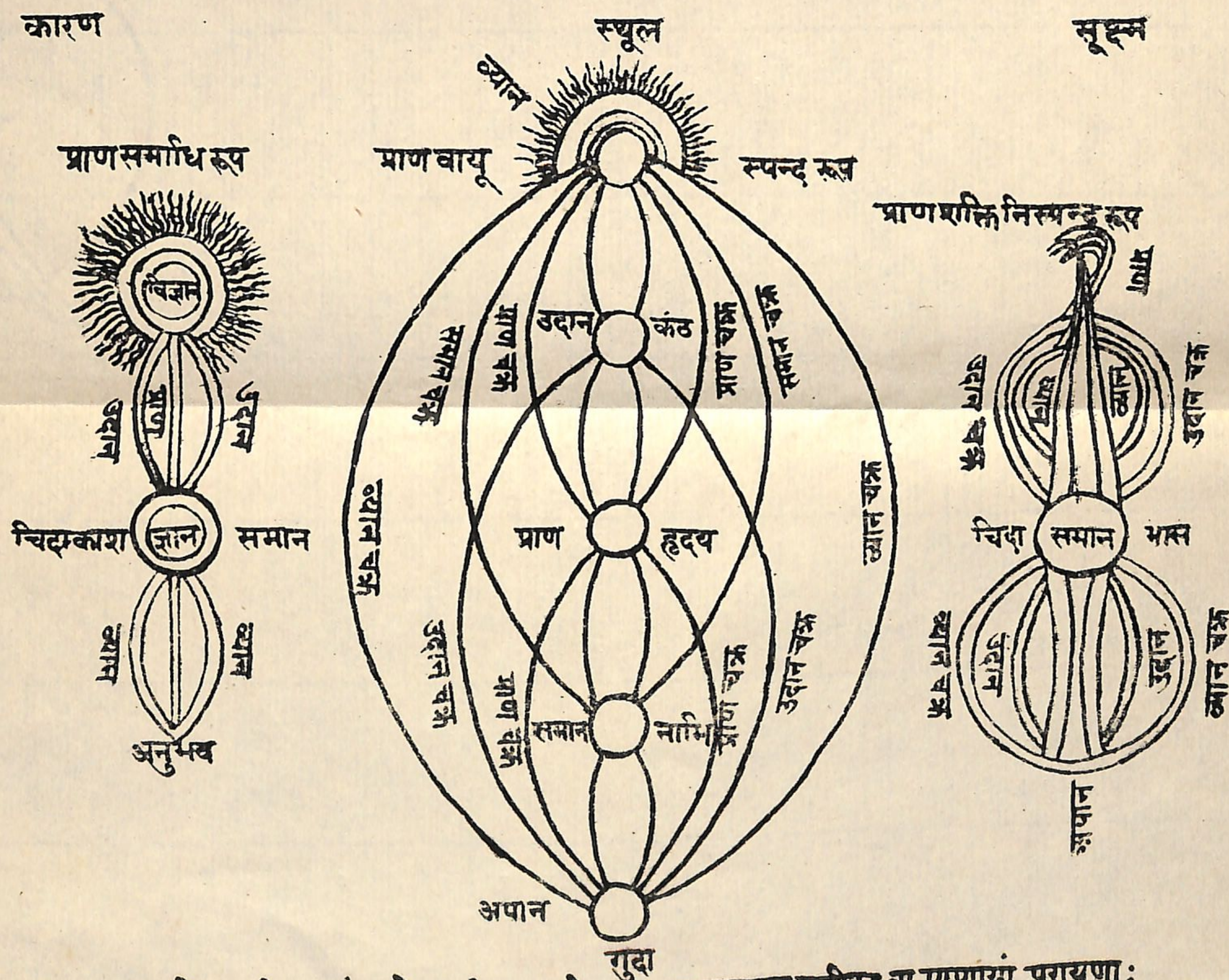
मत्तः परतरं नान्यत्किञ्चिदस्ति धनञ्जय ।

دکھنی دھرو

दक्षिणी ध्रुव

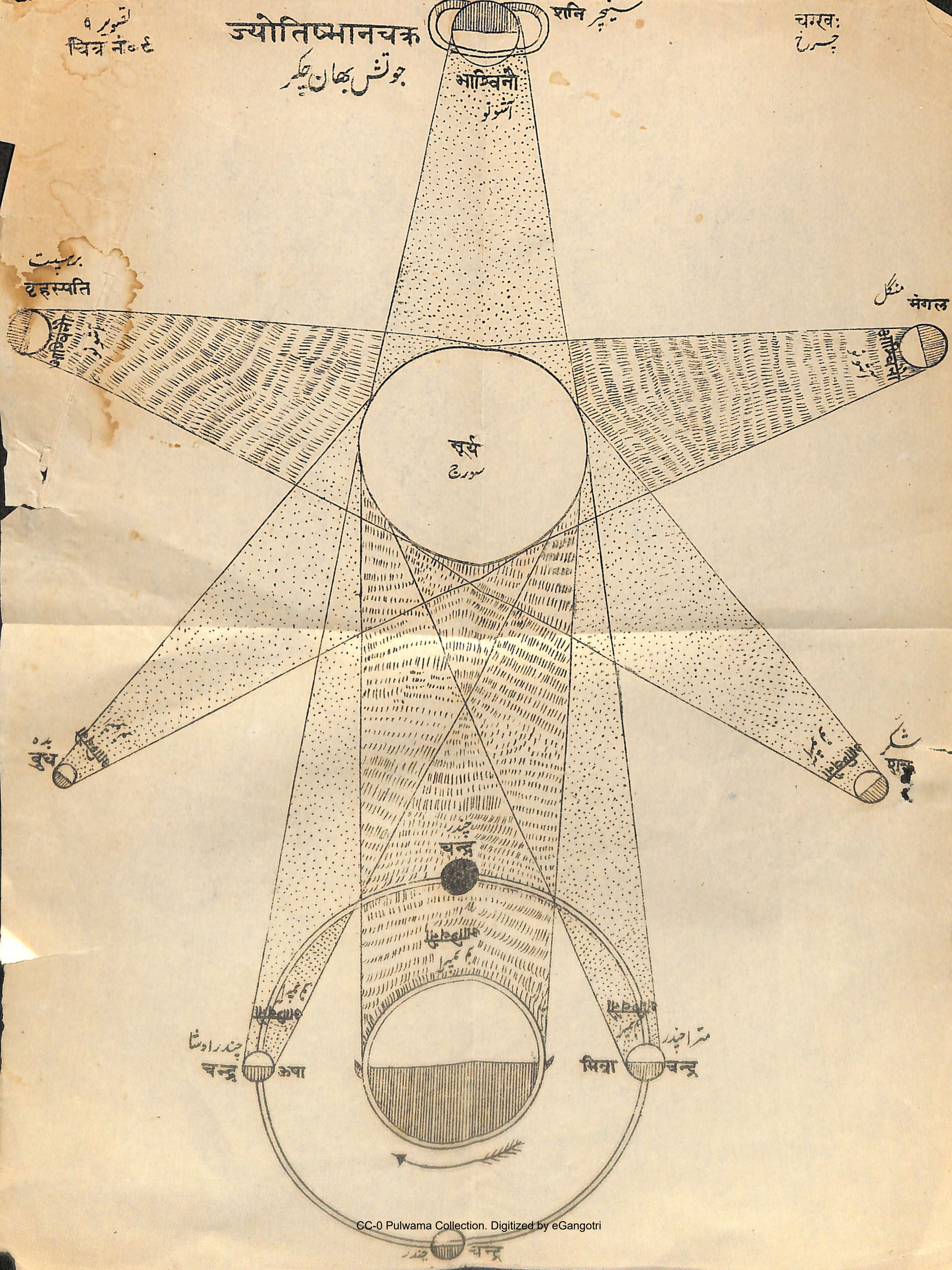
चित्र ७

प्राण चक्रम्



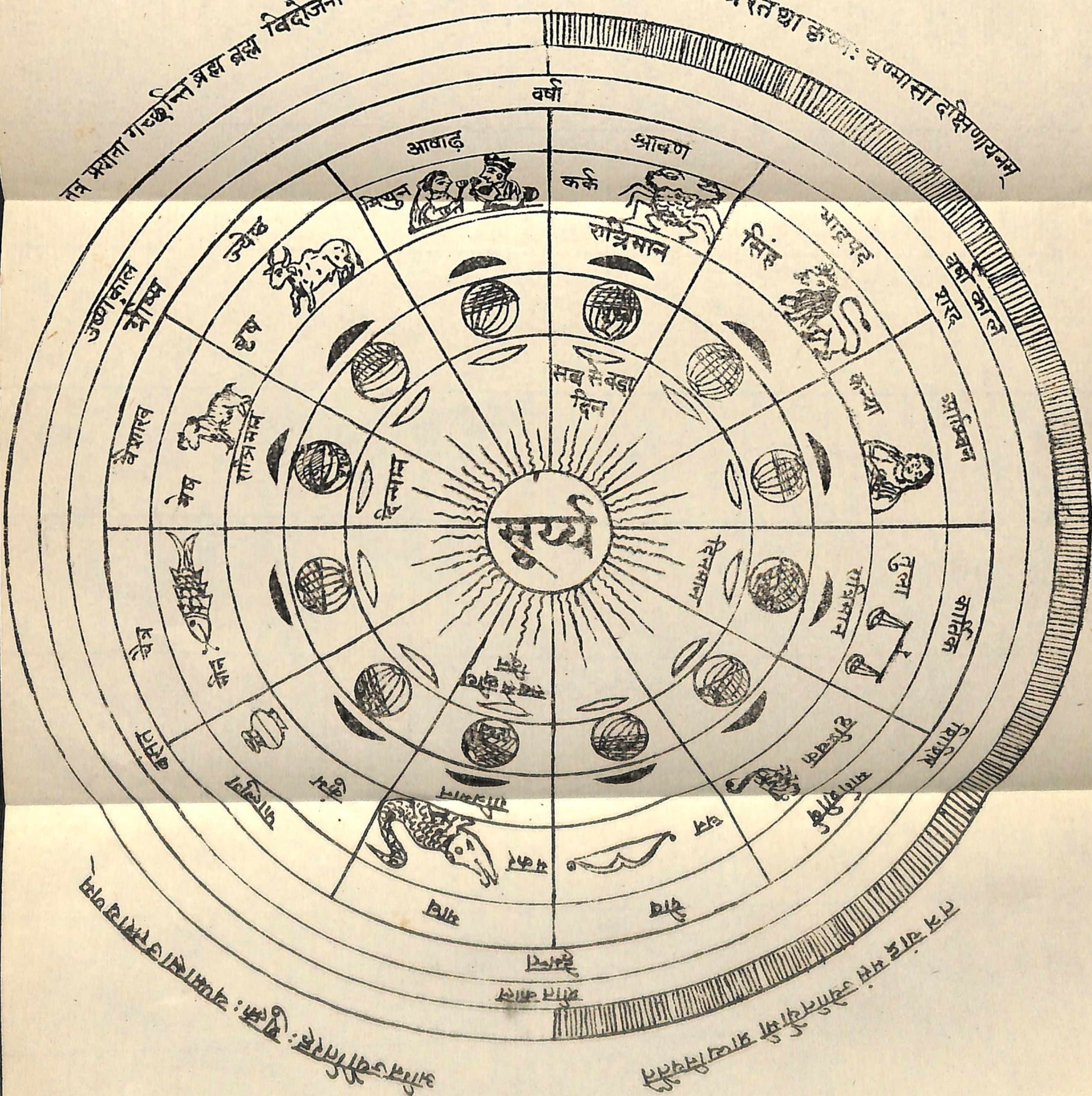
अपाने जुह्वति प्राणं प्राणेऽपानं तथाऽपरे। प्राणापान गतीरुध्वा प्राणायां परायणा:

षट्चक्र	अधिष्टान	दृष्टी	प्राणरूप	प्राणस्वरूप	गति	नाड़ी	धारणा	
शिर	सहस्र दल कमल	अनन्त रूप	समान	आकाश	रेचक	ईड़ा	जीव	
कंठ	षोडस दल कमल	विश्वरूप	प्राण	पवन				
नेत्र	द्वादश दल कमल	दिक्	अपान	अग्नि	पूरक	पिंगला	ईश	
हृदय	अष्ट दल कमल	अष्टम् बसु						
		पंच महाभूत मन, बुद्धि, चित्त	व्यान	जल				
नाभि	त्रवर्गी कमल	त्रिकाल						
गुदा	एक वर्गी कमल	पृथ्वी देह अध्यास	उदान	पृथ्वी	कुंभक	सुषुम्ना	ब्रह्म	


तस्वीर ९
चित्र नं० ९
ज्योतिष्मानचक्र
جوتش بھان چکر
शनि
चरखः
भास्विनी
सूर्य
سورج
बृहस्पति
मंगल
بدھ
बुध
चन्द्र
ऊषा
मित्रा
चन्द्र
चन्द्र
चन्द्र

सम्वत्सर चक्रम्

चित्र नं०११



चित्र नं-१५

युगचक्रम्

